सीजन की पहली जीत पाने के इरादे से ईस्ट बंगाल से घर पर भिड़ेगी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड

कोलकाता

ईस्ट बंगाल एफसी अपने घरेलू मैदान युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की मेजबानी करेगी, तो मेजबान टीम का लक्ष्य इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में जीत का स्वाद चखना होगा, जबकि हाईलैंडर्स अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पूरे तीन अंक बटोरना चाहेंगे।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी नौ मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और दो हार से 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 21 गोल दागे हैं और सिर्फ 15 गोल खाए हैं। वे पिछले पांच मैचों में एक हारे हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी सात मैचों में एक ड्रा और छह हार से केवल एक अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे फिसड्डी टीम बनी हुई है। हालांकि उसने मोहम्मडन एससी के खिलाफ कोलकाता डर्बी में गोलरहित ड्रा अपना पहला अंक बटोरा था और अब वो अपने उत्साही घरेलू दर्शकों के सामने पूरे तीन अंक पाना चाहेंगी।

ईस्ट बंगाल का नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के विरुद्ध सकारात्मक रिकॉर्ड रहा है, जिसमें वो 10 फरवरी, 2024 को अपने सबसे हालिया मुकाबले में 2-3 के अंतर से हारी थी लेकिन उससे पहले वो दो बार जीती और एक ड्रा खेला।

रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने इस सीजन में अपने मैचों के शुरुआती 15 मिनट में केवल एक गोल खाया। लेकिन, वे इस अवधि में गोल नहीं कर पाए हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने अपने पिछले चार मुकाबलों में तीन जीत दर्ज की और एक ड्रा खेला। हाईलैंडर्स ने अपने मैचों में औसतन केवल 41प्रतिशत कब्जा रखा है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस सीजन में सबसे ज्यादा 21 गोल किए हैंईस्ट बंगाल के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुज़ोन ने भरोसा दिलाया कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ घरेलू टीम ने अपना होमवर्क ठीक से किया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की आक्रामक ताकत के सामने हम बेअसर रहेंगे, लेकिन वो अधिक गोल करने की कोशिश करने आ रही हैं। लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे और मैच जीतेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्विएटेक ने डोपिंग मामले में एक महीने का निलंबन स्वीकार किया

नई दिल्ली। पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्विएटेक को प्रतिबंधित पदार्थ ट्राइमेटाजिडाइन

(टीएमजेड के नाम से जानी जाने वाली हृदय की दवा) के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद एक महीने का निलंबन स्वीकार कर लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। स्विएटेक अगस्त में प्रतियोगिता से बाहर ड्रग टेस्ट में विफल रही थीं, और आईटीआईए ने उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार कर लिया कि परिणाम अनजाने में हुआ था और यह एक गैर-पर्चे वाली दवा, मेलाटोनिन के संदूषण के कारण हुआ था, जिसे स्विएटेक जेट लैग और नींद की समस्याओं के लिए ले रही थीं। आईटीआईए ने कहा कि यह निर्धारित किया गया था कि उनकी गलती का स्तर बिना किसी महत्वपूर्ण गलती या लापरवाही के सीमा के सबसे निचले छोर पर था। पोलैंड की 23 वर्षीय स्विएटेक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, यह अनुभव, जो मेरे जीवन का अब तक का सबसे कठिन अनुभव था, ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा, यह पूरी बात निश्चित रूप से मेरे जीवन के बाकी हिस्सों के लिए मेरे साथ रहेगी। इस स्थिति ने मेरा दिल लगभग तोड़ दिया था, जिसके बाद प्रशिक्षण पर वापस लौटने में बहुत समय लगा, इसलिए बहुत सारे आँसू थे और बहुत सारी रातें बिना सोए रहीं। स्विएटेक ने पोलिश भाषा में बात करते हुए कहा, जिसका अंग्रेजी अनुवाद पोस्ट के शीर्ष पर स्क्रॉल किया गया है, इसका सबसे बुरा हिस्सा अनिश्चितता थी। मुझे नहीं पता था कि मेरे करियर के साथ क्या होने वाला है, चीजें कैसे खत्म होंगी या मुझे टेनिस खेलने की अनुमति मिलेगी या नहीं। बता दें कि यह टेनिस में दूसरा हालिया हाई-प्रोफाइल डोपिंग मामला है, इससे पहले शीर्ष रैंक वाले जननिक सिनर, मार्च में स्टेरॉयड के लिए दो परीक्षणों में विफल रहे और अगस्त में यूएस ओपन की शुरुआत से ठीक पहले उन्हें मंजूरी दे दी गई, जिसे उन्होंने सीजन का अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए जीता। सिनर ने कोई प्रतियोगिता नहीं छोड़ी; विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी ने उन्हें दोषमुक्त करने वाले फैसले के खिलाफ अपील की है। स्विएटेक अप्रैल 2022 में पहली बार डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचीं और तब से वह ज्यादातर समय वहीं रहीं, लेकिन अक्टूबर में आर्यना सबालेंका से आगे निकलने के बाद अब वह नंबर 2 पर हैं। स्विएटेक ने जून में फ्रेंच ओपन जीता और वहां अपना चौथा खिताब और कुल मिलाकर पांचवीं मेजर चैंपियनशिप जीती, फिर अगस्त की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।स्विएटेक ने बुधवार को औपचारिक रूप से एंटी-डोपिंग नियम के उल्लंघन को स्वीकार किया और अपना दंड स्वीकार कर लिया। टीएमजेड 23 चीनी तैराकों से जुड़े मामले के केंद्र में दवा है, जो 2021 में प्रदर्शन बढ़ाने वाले पदार्थों के लिए सकारात्मक परीक्षण के बावजूद पात्र बने रहे। स्विएटेक ने कहा कि वह अपने परीक्षण के परिणाम से हैरान थीं और उन्होंने टीएमजेड के बारे में कभी नहीं सुना था। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से मेलाटोनिन का उपयोग कर रही हैं, और आगे कहा कि मेरी सारी यात्राएं, जेट लैग और काम से संबंधित तनाव का मतलब है कि कभी-कभी इसके बिना, मैं सो नहीं पाती।

विराट के फार्म में ऑस्ट्रेलिया को हुआ नुकसान, हार सकती है सीरीज

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बॉर्डर ने कहा है कि पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान विराट कोहली ने जिस प्रकार से शतक लगाया है उससे वह फार्म में आ गये हैं। बॉर्डर के अनुसार विराट इसी प्रकार खेलते रहे तो मेजबान टीम के हाथों से सीरीज निकल जाएगी। बॉर्डर ने कहा कि हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिसके कारण ही विराट को फार्म में आने का अवसर मिला है। कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में फॉर्म में लौटे और नाबाद 100 रन बनाए जबकि वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पा रहे थे। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट शानदार तरीके से जीता। बॉर्डर ने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने कोहली को शतक बनाने दिया, मैं बहुत निराश हूं। हम नहीं चाहते कि पूरी सीरीज में विराट इस तरह से खेलें। बॉर्डर ने कप्तान पैट कमिंस की कप्तानी पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में संघर्ष करते नजर आए कोहली को उन्होंने फॉर्म मे लौटने का अवसर दिया। वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाजी मैथ्यू हेडन ने भी कमिंस की जमकर आलोचना की। हेडन ने कहा, 'विराट को उसकी पारी की शुरूआत में ही आउट करना चाहिए था जिसमें टीम असफल रही। क्षेत्ररक्षण भी सही तरीके से नहीं लगा। इससे भी विराट को खुलकर खेलने का अवसर मिल जबकि शुरुआत में वह दबाव में थे।

पर्थ की जीत भारत की सबसे बड़ी विदेशी जीतों में से एक : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ के पहले मैच में पर्थ में भारत की हालिया जीत टीम की विदेश में सबसे बड़ी जीत है। पोंटिंग ने कहा, मुझे यकीन है कि यह भारत की अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट मैच जीत में से एक के रूप में दर्ज की जाएगी, और शायद ऐसा होना भी चाहिए।

भारत ने विदेशों में कुछ व्यापक और अविश्वसनीय जीत हासिल की हैं, जिसमें गाबा 2021 का परिणाम भी शामिल है, जिसने उन्हें पीछे से आकर सीरीज़ जीतने के लिए प्रेरित किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान के पास इसके अपने कारण थे।

पोंटिंग ने कहा, उनके पास जो खिलाड़ी थे, उनके जाने के बाद...रोहित (शर्मा) नहीं खेल पाए, (शुभमन) गिल नहीं खेल पाए और (मोहम्मद) शमी नहीं खेल पाए...यह एक शानदार जीत है।

पहली पारी में मामूली स्कोर पर सिमटने के बाद भारत ने मैच 295 रन से जीत लिया।

चार दिन में खत्म हुए टेस्ट को याद करते हुए पोंटिंग ने क्रिकबज से कहा, 150 रन पर आउट होने के बाद, यह थोड़ी, चौंकाने वाली जीत थी। और उन्होंने 300 रन से जीत हासिल की। इसलिए यह एक अविश्वसनीय बदलाव है।

पोंटिंग ने यह विश्लेषण करने की कोशिश की कि पूरे टेस्ट में भारत ने बढ़त क्यों बनाए रखी और टॉस के महत्व का हवाला दिया।

उन्होंने कहा, टॉस जीतना एक बड़ा फायदा था। मैंने उस समय ऐसा कहा था। रिकॉर्ड यह है कि ऑप्टस स्टेडियम में जीतने वाली टीम ने हर बार पहले बल्लेबाजी की। संयोग से, ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाँच में से चार टेस्ट जीते।

मैच में भारत के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने बल्लेबाजी करने का फैसला किया और टीम 50 से कम ओवरों में 150 रन पर ढेर हो गई। लेकिन उन्होंने पहले दिन स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने केवल 67 रन पर 7 विकेट खो दिये थे, जिसमें से चार बुमराह ने लिए। कप्तान ने टेस्ट में कुल मिलाकर आठ विकेट लेकर आगे से नेतृत्व किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

पोंटिंग ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि बुमराह ने आगे से नेतृत्व किया। पहली पारी की शुरुआत में उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजी की वह अविश्वसनीय था। आप जानते हैं, शमी के न होने पर, उन्हें खड़े होकर नेतृत्व करना पड़ा। और कप्तान होने के नाते, उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने मैदान पर अपनी नेतृत्व क्षमता के साथ ऐसा किया, और उन्होंने गेंद को हाथ में लेकर ऐसा किया। जाहिर है, विराट (कोहली, जिन्होंने नाबाद शतक बनाया) को वही करना था जो उन्होंने दूसरी पारी में किया और उन्होंने (यशस्वी) जायसवाल के साथ मिलकर खेल को सेट किया। लेकिन मुझे लगता है कि उनका पूरा गेंदबाजी समूह पहले दिन देर से खड़ा हुआ। पहले दिन का दूसरा भाग शायद वह था जहां खेल बदल गया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से मिली करारी हार के बाद भारतीय जीत खास थी। पोंटिंग ने कहा कि अगर उस सीरीज में विकेट अच्छे होते तो भारत को इतनी शर्मनाक हार का सामना नहीं करना पड़ता और उन्हें यकीन है कि वे घरेलू मैदान की तुलना में विदेशों में बेहतर टीम हैं।

उन्होंने कहा, मैंने एक बात कही, और मुझे लगता है कि यह सच है। मुझे नहीं पता कि इस बारे में यहाँ कितनी बात हुई है, लेकिन मुझे लगता है कि भारतीय बल्लेबाज अब घर से बाहर बेहतर खेलते हैं, जितना वे घर पर खेलते हैं। मुझे लगता है कि वे अब स्पिन गेंदबाजी के मुकाबले तेज गेंदबाजी के बेहतर खिलाड़ी हैं। और मुझे लगता है कि यह पर्थ में साबित हो गया है। पर्थ जाने में सक्षम होना, जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी का उस विकेट पर 161 रन बनाना, यहाँ तक कि नितीश रेड्डी का पहली पारी में 41 रन बनाना... मुझे लगता है कि वे (भारत) उन विकेटों पर बेहतर खेलते हैं, जितना वे अपने घर में धीमी स्पिनिंग ट्रैक पर खेलते हैं। मेरा मतलब है, दुनिया में ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे न्यूजीलैंड उन्हें अच्छे विकेटों पर हरा सके।

पोंटिंग ने भविष्यवाणी की थी कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का अंतिम परिणाम 3-1 होगा। वह अभी भी उस पूर्वानुमान पर कायम हैं। उन्होंने कहा, नहीं, मैंने अपना दृष्टिकोण नहीं बदला है। मैं उसी पर कायम रहूँगा। भारत ने पहला (टेस्ट) जीता। मैंने शुरू में 3-1 से जीत की बात कही थी। हाँ, मैं उसी पर कायम रहूँगा। लेकिन यह बहुत पीछे है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को अब काफी काम करना है।

महिला प्रीमियर लीग के लिए 15 दिसंबर को होगी छोटी नीलामी

मुंबई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) के अनुसार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 सत्र के लिए छोटी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। इसमें टीम बनाने के लिए सभी पांचों फ्रैंचाइजी के पास 15 करोड़ रूपये का बजट रहेगा।

छोटी नीलामी में उतरने वाली दिग्गज विदेशी खिलाड़ियों में इंग्लैंड की कप्तान हेदर नाइट, न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज लिया ताहुहु, वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर ड्रिएंड्रा डॉटिन जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं भारतीय खिलाड़ियों में स्नेह राणा, लेग स्पिनर पूनम यादव और बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति रहेंगी। पिछले दो सत्र से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी मेग लैनिंग के पास है पर इनकी टीम के पास सबसे कम 2.5 करोड़ का बजट है। वहीं गुजरात जायंट्स ने सबसे अधिक सात खिलाड़ी बाहर किये हैं ऐसे में उसके पास सबसे अधिक 4.4 करोड़ रुपए बचे हैं। इसलिए वह कई खिलाड़ी खरीद सकती है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पास स्मृति मांधना और सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी हैं। आरसीबी के पास 3.25 करोड़ का पर्स है। नवंबर की शुरुआत में प्री-सीजन ट्रेड विंडो के जरिये डैनी व्याट ही एक मात्र खिलाड़ी रही जो ट्रांसफर हुई। आरसीबी ने उनको यूपी वारियर्स से लिया। वह पिछले सत्र में यूपी वारियर्स में कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पायी थी। डब्ल्यूपीएल का तीसरा सत्र फरवरी-मार्च 2025 में खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ चल रहे टेस्ट सीरीज से बाहर हुए वियान मुल्डर

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका की टीम डरबन में श्रीलंका के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट मैच के बाकी बचे समय के साथ-साथ गेकेबरहा में होने वाले अगले मैच में भी वियान मुल्डर के बिना खेलेगी, क्योंकि इस ऑलराउंडर के दाहिने हाथ की मध्यमा अंगुली में फ्रैक्चर हो गया है।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 5 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को मुल्डर की जगह टीम में शामिल किया है। 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

डरबन में पहले टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते समय लाहिरू कुमारा की 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद से मुल्डर को हाथ में चोट लग गई थी। मुल्डर को काफी दर्द हो रहा था और उन्हें फिर से बल्लेबाजी करने में कुछ समय लगा। लेकिन उन्होंने दर्द के कारण मैदान से बाहर जाने से पहले सिर्फ दो और गेंदों का सामना किया।

उसी सत्र में, जब दक्षिण अफ्रीका के 145 रन पर नौ विकेट गिर चुके थे, तब वे फिर से बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने और कागिसो रबाडा ने अंतिम विकेट के लिए 26 रन जोड़े, जिसमें मुल्डर ने धनंजय डी सिल्वा की गेंद पर छक्का भी लगाया। लंच ब्रेक के दौरान लिए गए एक्स-रे से पता चला कि चोट कितनी गंभीर है, जिसके कारण अब वे आगे नहीं खेल पाएंगे।

पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 : भारत ने जापान को 3-2 से हराया

मस्कट

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने गुरुवार रात मस्कट, ओमान में जापान के खिलाफ अपने दूसरे पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 मैच में 3-2 से कड़ी जीत दर्ज की। थोकचोम किंगसन सिंह (12) ने भारत के लिए खाता खोला, लेकिन जापान के नियो सातो (15, 38) ने जल्द ही गोल करके बराबरी हासिल कर ली। दूसरे हाफ में रोहित (36) ने भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन नियो सातो ने फिर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। अरिजीत सिंह हुंडल (39) ने तीसरे क्वार्टर के अंत में फिर से भारत के लिए बढ़त हासिल की और भारत ने एक गोल की बढ़त को बरकरार रखते हुए अपनी जीत सुनिश्चित की।

दोनों टीमें शुरुआती सीटी से ही क्षेत्र के लिए एक दूसरे से भिड़ती रहीं, जिसके कारण खेल के तीन मिनट बाद जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, हालांकि बिक्रमजीत सिंह सतर्क रहे और अपने गोल पर किसी भी तरह के खतरे को टाल दिया। जापान द्वारा उच्च दबाव का इस्तेमाल करने के बावजूद, भारत ने चतुर हवाई गेंदों और शानदार कौशल के साथ इसे कुशलता से पार कर लिया।

दोनों टीमों ने सार्थक कब्जे के लिए संघर्ष किया, और दिलराज सिंह ने पहले क्वार्टर में तीन मिनट शेष रहते भारत के लिए पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, जिसे थोकचोम किंगसन सिंह ने गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी।

हालांकि, पहले क्वार्टर के अंतिम मिनट में जापान ने पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और नियो सातो ने भारतीय रक्षा को पार करते हुए ड्रैग फ्लिक के साथ बराबरी हासिल की। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में, भारत ने मनमीत सिंह के साथ दो मिनट के भीतर दो बार गोलकीपर को परखने के साथ बढ़त हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि, किशो कुरोदा दोनों मौकों पर गोल बचाने में कामयाब रहे। दोनों टीमों ने एक दूसरे पर वार किया लेकिन कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला जब तक कि क्वार्टर में छह मिनट शेष रहते जापान को पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिला।

भारत के पहले रशर रोहित ने जापान को इस अवसर का फायदा न उठाने देने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी। क्वार्टर में दो मिनट शेष रहते जापानी फॉरवर्ड ने दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए। हालांकि, भारत ने हार नहीं मानी और अपने पेनल्टी कॉर्नर से जवाब दिया लेकिन जापान ने बेहतरीन बचाव किया, जिससे पहला हाफ 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी कुछ इसी तरह हुई और जापान ने चार मिनट के आसपास दो पेनल्टी कॉर्नर बनाए।

एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में मुख्य आकर्षण होंगे फेलिक्स, पाओलिनी, नवारो

एडिलेड

फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, जैस्मीन पाओलिनी उन बड़े सितारों में शामिल हैं, जो एटीपी 250 इवेंट एडिलेड इंटरनेशनल में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं, टूर्नामेंट निदेशक एलिसिया मोलिक 6 से 11 जनवरी 2025 तक होने वाले टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाले खिलाड़ियों की पुष्टि की।

फेलिक्स (पूर्व विश्व नंबर 6) और डब्ल्यूटीए की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली खिलाड़ियों में से दो जैस्मीन पाओलिनी, एम्मा नवारो, साथ ही दुनिया की नंबर 13 डायना श्नाइडर अगले साल की शुरुआत में एडिलेड में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

इनके अलावा पुरुष वर्ग में 2022 के चैंपियन थानासी कोकिनाकिस, विश्व नंबर 12 टॉमी पॉल, विश्व नंबर 22 सेबेस्टियन कोर्डा और जेसिका पेगुला और बारबोरा क्रेजिकोवा भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे।

मोलिक ने कहा, अब तक हमने जिन प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धा के लिए चुना है, वे असाधारण हैं और हमें विश्वास है कि प्रशंसकों को कुछ शानदार मैच देखने को मिलेंगे। इनमें से प्रत्येक खिलाड़ी कोर्ट में कुछ अनूठा लेकर आता है और हम उन्हें द ड्राइव में प्रतिस्पर्धा करते देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, फेलिक्स ने खुद को एटीपी टूर पर सबसे रोमांचक और प्रतिस्पर्धी युवा खिलाड़ियों में से एक साबित किया है और एडिलेड में उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से इस आयोजन के रोमांच को बढ़ाएगी। जैस्मीन इस साल विंबलडन में एकल फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने अपना सीजन शुरू करने के लिए 2024 दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता। और एम्मा देखने लायक सबसे रोमांचक युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। हमें उम्मीद है कि वह एक मजबूत दावेदार होंगी।

ऑगर-अलियासिमे ने 2022 में रॉटरडैम ओपन में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता, जो उनके करियर का एक बड़ा मील का पत्थर है। कनाडाई खिलाड़ी लगातार ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह तक पहुँचते रहे हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2021 में यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुँचना रहा है।

दुनिया की नंबर 4 पाओलिनी अपनी प्रतिस्पर्धी भावना को दुनिया की नंबर 8 और अमेरिकी टेनिस के उभरते सितारों में से एक नवारो के साथ लेकर आएंगी।

2024 होबार्ट इंटरनेशनल में सम्मान पाने वाली नवारो ने अपने करियर में बहुत प्रगति की है, और उनका दमदार खेल निश्चित रूप से प्रभाव डालेगा।

पॉल, जो एटीपी रैंकिंग में नंबर 12 के करियर के उच्चतम स्थान पर हैं, ने 2024 में तीन खिताब जीतकर अपने सबसे सफल सत्र का आनंद लिया है। 2020 में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद, अमेरिकी वापस आ गए हैं और 6-11 जनवरी तक होने वाले टूर्नामेंट में ऑगर-अलियासिमे के साथ खचाखच भरे मैदान में शामिल होंगे।

2022 के चैंपियन थानासी कोकिनाकिस, साथ ही दुनिया के नंबर 22 सेबेस्टियन कोर्डा भी द ड्राइव में प्रतिस्पर्धा करेंगे।